

निर्दार्थ मर्श्रा

বিচিত্র রমণীয় উপার্থান এবং সাহি ৯৷ বিজ্ঞান নীতি ও শিল্পত্রি বিব্দক বিবিধ প্রক্রমান্মক মানিক প্র

2म में? था। I

কেব্ৰাবি, ১৮৬৬ মাল,

37 ST. 1.

नम्भामकीय छेकि।

कामनः शुर्का जडे - नत् निकार्शत रा महर्भ नतिशाष्ट्रियाण करिन। 'तन्तुर श्रेन'गर्म होता भौरदर्भ की नाम । राज्य । १९५० वर्षाम ৫৯ই বিষয়ে ইনতে।গ ইনীর এমন মঞ্বিন। ্কান প্রকারে ছইতে প্ররেমা। এই দাম্য্রিক পত্তির প্রথম সঙ্গণেপ আমাদিমের এইমাত দ'ন্দ ভিল যে কেবল প্রা**নিদ্ধ ও**রমণীয় উপা-शामानि जल्य कल्य किं गाँउम गाँउम প্রকাশ করিব, কিন্তু এই এণালী ভানেকের ঘনোনীত নহে। বাস্তাবক ইহাতে বিশেষ আপত্তি চইতে পারে, তমধ্যে প্রধান এই যে, কেবল উপন্যাদৈর কিয়দংশ পাঠ করি-লা জনেকে। সম্ভূষ্ট কা 'কইতে পারেন, দ্বিতী-য়তঃ সাময়িক পত্রৈ শুদ্ধ এক কি এইটী উপা্থ্যান মাত্র থাকিলে ভাষা ফেন এক প্রকার অসম্পর্ণ হোধ হয়। এই সকল সাপতি क्षामीर्वाक्षरे भविकारक विकि खनक महि-বেশ করা ভিন্ন করিলাম। • বিলাতে লিজর আ হয়ার কি ক্লাদেল্স ফেনিলি পেপর প্রাভ্-তি বে শুৰুলী পুতিক্ আছে ইহা ও প্ৰায় एक्क्नूवाद्यी, इरेंद्रका, हेशाट मारिक नीकि বিশ্বাৰাও লিম্পা শাল্প বিনয়ক বিবিধ প্ৰানন্থ

প্রতি ম'লে পাছিরেক ১বং সংখ্ ও কার।
নাটক প্রস্কৃতির অনুবাদ ও বাঞ্চল কলিও
সমলে সময়ে প্রকাশ করা বাইরেক। বাঞ্চল
নাগায় কাম দিখের এ দেশে ল প্রকাশ পত্র
কামর কাম লিগের এ দেশে ল প্রকাশ পত্র
কামর কাম্যা
কামর কাম্যা
কামর কাম্যা
কামর কাম্যা
করিয়া পারের পায়েন্ন ইদ্ধি কর ইনিকী
করিয়া পারের পারিক কি সাপ্রাহিক কর মাই-

্নই প্রথানি শাংগন মঞ্জা নামে প্রকাশ কবিবাৰ সক্ষণ করিয়াছিলাম, কিন্তু উপরোজি কবেণে সেই নাম প্রিক্রিন কর। গেল।

्रान्यस्य ६ इनिय मा ।

१,५५ ८ त**्याम्** ।

ইংলণ্ডের করণ প্রাণ প্রাণ্টেশ্র পশ্চিম খণ্ডে সমুদ্রভাবে একটা সমান আইন্ট্রিমাপনোপি আবাস-বারী-ছিল, উমান চক দিল্লালাল কই প্রভর্গেন্ডে তুইটা ভূজা বর্ত্তনালাল কিন্তালালাপকথন করি ভেছিল। ভালিপিয়ে মাসের এক কাজি নিজস্থ কর্মচারি ভোষেককৈ ছিলাবি বেশি কর করা সদা রাত্তি পর্যান্ত কি জাবিত থাকিবেন। একবার স্থকার প্রাতি দৃষ্টি কর দেখি? সে উত্তর করিল, কুইপ্রহর্ব বাজিয়া ১০ মিনিট ছইয়াছে, এক প্রকান বাজি কাটাইয়াছেন বলিলে হয়।

ভূতাহয় এই প্রকারে কথা কহিছেই এক এক বায় হার প্রতি দুক্তি করিছেছিল এবং ন্তের কথাব লক পাচে কেই স্থানতে পায় এই আলিকার ব্র ক্রামে মৃতু করিয়া বাকা নির্মিরণ করিতেছিল। ইহার। কাপ্রেম ট্রিরটন মামক একজন ধনাচা নাবিক কর্মচারির সেবক।

তৎপরে ভোষ্ঠ যে দে বলিল, স্থানীতে এই অস্থানির রাজিতে জাগারিত থাকিরা ঘন্টা গণন করা
বিভ বিষম দায়। কনিষ্ঠজন অতি মৃত্যুরে জিজ্যাদিল, ভাই তুমি ত শুনিতে পাই বালাকালাক
ক্রী স্থামে চাকরি করিট্রেকা ছিলেন ? ভোষ্ট ভূতা
কল্পদানে ইইয়া বলিল, তেলোকে একথা কে
ক্রিলি ?

ঘাচা হউক ভাই ও সকল কথার আবি গ্রান্তন মাই. এই বলিয়া জোদেক নামক কানুঠ ভূত্য গুরুত্ব गीरबोलान कतिल, टमडे मगरश अकती घर्कीत नक 🎆 इरेन। म उथन किकामिल, जांद्रारतक कार्टा-কে ভাকিভেছে না কি ? জ্যেষ্ঠ উত্তর করিল, এক-দিম এবাটীতে র্ছিয়াড়, ঘণ্টার শব্দ শুনিয়া কাছাকে ডাকিতেতে ভাহাও অসভব করিতে পার মা, কাত্রী স্থীয় পরিচারিকা সাহা-শিসমকে ভাকিতেছেন, শীপ্ত बाहेग्रा डाक्टरक डीडिया त्मक । (क्रारंगक उथन একটা প্রজ্জলিত ক্রিকা হতে ধারণ করিয়া ছার **উ**नवार्षेन कतिन, **ग्राह्म उ**ठ नगा एवं अकरी ভिভित গাত্তে শারিং করেকট ঘন্টা ঝুলিভেচে ভাছাতে ভা-होत हुन्ति ने दिन्द्विति है जिया एक बिन आएका क ঘটার উপর পরিশীর প্রতিক ছভেরে আখ্যা-विका निहा नाम अधिक दिशाटक । उर्वन निरान्त रव य के। मोलाश्याम इन्टिडिक्कि जाहात है किराइत सम्या शक्तिया रमिन "कार्डिय में का विकार के केंद्रविध क बीड़ि केरे स्वीचेत्र नक्टत स्थ

Griff व इंदेश क्षित्रों (मस्टिस्स, सर्वे असकात, क्ष्ममंबूर्या मारे। अरे कथा गहंकर्मानाजिएक क्यांक ক্রাতে বে বলিল ছেবে বৃথি সারা আপন শর্মা-गाटत कार्ड खबाब गारेसा छाराटक ল। স্থোবেক এক লক্ষে ডিন ধাক ক্লোপান অভি-ক্রম করিয়া সারার শ্রমনাগারে বিশ্বা কাছার নামো-চারণ করিয়া, ডাকিল। ক্ষত্রি ন্যু কোমলখনে এकमे सीटलांक उँखते पित्रा विकामिटलस "स्क वा"। ভোগেফ কত্রীর আদেশ ক্সাপন করিবামার সার: বর্ত্তিকা হজে করিল ।ার উদ্যাটন করত কোনে-रकत नमा त्य कर्ष , जान इस्टलन । माता प्रवित्रहरू मीर्घाकार कर अभी अन्तर पुरुषि मर्दर । व्यक्ति ভাক সভাব কিন্তু প্রথম দূৰেণ্ড আছির চিত্তাবিষ্ট ক্রান হয়। বড় মীসুবের বাটার পরিচারিকাদিনের বৈৰূপ বেশু ভূষণ ভাহার কিছুমাত্র নাই, পরিচ্চদ ষে পর্যান্ত অফুক্রিম ও শামান্য ইইটেড পারে ভাহাই তিনি সচরাচর পরিধান করিয়া থাকিতেন। ইঞ্চার ত ৰূপ এই, কিন্তু এমনি একটা তাহার অপুনুষ বা-ত্মিক দুশা ছিল যে ভাষাকে ৰেখিবাম,ত্ৰ সকলেৱই क्रूड्स डेन्स र्स । जिमि देन, शूट्स क्यून्स हि-इन्ने अहे कराक विषयात का अन्यान मा कतिया दक-रहे काड शांकिएछ शांतिएक मेरा कि के नातान বজাব এথাকার গভীর- অকৃত্যি,এত ওচ় যে ভারার মুখ বিনিগত আতা পরিচয় ক্লেড্র পান নাই ! কিন্তু জাঁহার মূপত্রী নিরীকণ করিয়া হৈছিলে সকলেরই এই प्राप्त विश्राम इस य अक कादुल किनि विषय मुख्या ভোগ করিয়া থাকিবেন, না হইটো এত নিজেই হ-हैर्विम रकम । यमि अक विमर्द्ध मानाव गरमें मः হুইতে পাকেকিছ মনোকোনী এইছ কি শানীরিক क्षण ७ बाजन^{हर} कडू केलात अक**्ष्य अ**लेखा हहेग्रा-किन जारा क'स्वा । निर्मत क्यूनियंत्र केसाह किन न! (र कार्ट्स) रहेक क्रिक्कि क अक्रकारण प्रति-र्माहबीयु (क्या (काश क्यामाहिटमेंब क्याहिक प्राथारी लक्ष जीवात नकारक क्वीकाताम विका । जिल्ली पुरुषे जिल्ला की गर्दे किया है है है है है है है है

अवद्यातंत्र अन्त रेतनकीता चार्य है किंग्सेत व विवाद সামর্জ্যকাল উভিযাতিত হয় নাই ভাষার বিলক্ষণ • श्रमान साम्ब्रह्मात्रीन हिन । केंग्रेशान विवर्ग ଓ खक, **७५६वें के वर्ष** भारति वर्ग । केन्द्र अधि महमावेत প্তা সঞ্জিত পাত্যয় অক্ষ্যিত উথাপি নিষ্টেজ, श्रामा চकिन्छ इतिनीत माथि मार्थित । धक्र মটিনতা ও জীকারের দৃশ্য বিষম যন্ত্রণাত্রস্ত ছ-होता नकरमहरे इनेशा शांका। किन्न जिश्मा तर সবের অধিক ঘটিরি ব্যুংজ্ন নতে, ভাহার থে এপ্রকার সমস্ত কেশ ধবল হওয়া অতি বিদ্লা है है। व यूथ के के कि निवर्ग वर्षे, कि के कुर्खीशि लालिए मारम प्रभाग होंगे भी फंके मिएए के किछ तमभू ने, नवा-টের চন্দ্র শিশুদিশের ন্যায় কোমল ও মতণ। এই সকল চিহ্ন যখন কৈনের বর্ণের সহিত মিলন করিয়া অনুভব করী যায় তখন সহজেই চমকিও হইতে হয়। আক্রেরিবিষয় এই যে ব্যুস্টিরের ন্যায় কেন্দের স্বলতা কিছুমাত্র ছিল ন।—মন্তক একেবারে সর্লা-চ্চাদিত। যাহার। বিজ্ঞ উাহারা কেবল এই সকল লক্ষণ দেখিয়া মনে২ আপনাপনি বিস্ময়াপর ১ইতে-ন ভাষিত্য বেদনা দায়ক কোন প্ৰশ্ন কখন কাহাকে জিজ্ঞানা করিটেজন মা, কিন্তু সারাব সহ কর্মাচারির। স্বভাবত অজ্ঞ, তাহাদিগের কেতিহল নিবারণ করে पुः भाषा **बहेक्नां क्रिल**ा भारतीत संतीरतत ७ अहे मकल লক্ষ্ণাৰার অধিকন্ত ভাহার আপনাপনি কথা কওয়া একটা অভ্যাস ছিল। দাস দাসীরা এই সকল লইয়া আপনাপনি সর্বাদা কানাকানি করিত, একং সময়ে পরিহাসও করিত, কিন্তু কত্রীর ভয়ে স্পষ্ট কোন কথা ব্যক্ত করিতে পারিত না। কত্রী আপন यामी अवस्य इंडावर्ग भगाउँ मकनत्क निरुष्ध कवि-য়াহিলেন, সারাভ আপানাপনি কথা কওন বিষয়ে কিখা ভাষার ক্ষেত্রেশ্বরজন্ত বিষয়ে কেছ কেন তা-হাকে কোন আন্তঃবিজ্ঞাসা না করেন যেছেতু তাহা-**ं क्रोहार्क नमस्ति बाबी छः च इ**स ! '

গারা কণ্ডাল বাকাছীন শ্ট্রা বুকেব নাায় ভূডোর শিক্ষা ক্রিয়ানা বহিলেন, বর্ত্তিকার কালোক শ্লকাকে লানিবাডে উছে।র স্বক্ষর চক্ষুরয় ও মন্ত-

কেংপরি খেতেবর্ণ কেশ রাশি ভাতর্ল্যমীনা इटेल। निर्दाटका पुरुष्टिकां व अवेश्टर्श मधीमाँकः রহিলেম, বভিক-িগুত-হস্ত কম্পিড' ফইডে আংশিল তৎপরেট ভাঁচাকে ডাকিল 'দিয়াভিল বন্ধিরা' ভূড়া-.ক কৃতজ্ঞতার শৃহিত নমন্ধার করজ গমনেন্দাভী क्टॅ(सम । अ**ভावकः मृङ्**कातः कथा **श्रीमन आस्ति**ी मधुद क्षण्य वर्षेत । वृद्धव ममख कृता वृद्धि माहिक থতি ঈ্যাহিত ছিলা **কিন্তু সে** রাজে ভাইরি **ভাই**ী ভिজ্ঞ। দেখিয়া জোদেকের মনে কল্পার সঞ্চায় इडेल. 🕬 मादाव इएछन वर्ष्टिका पतिया विजन, इक আমি ভোমাকে কত্রীর গতের দ্বার পর্যান্ত পৌ ছিয়া দেই। স'রা তটিস্থ **হইয়া সম্ভক না**ড়ি-र महत्र जाभनि हिन्दा भारत महत्र এदर क्यारमक भ कारन मधारमान करेशा केथा कहिएड हिल्लम छाडावहें निरम्न खरकारके शृहिनीत नग्नमा-প্রাক। সংবা দার্দেশে সন্দির্দিতে কণকাল দণ্ডায়ান বুছিলেন, ভংপরে ক্ষিমুদ্র ক্রিয়া হারে ব্রি রেক সুইবার মৃষ্ঠাঘাত করিলেন কাপ্তেন টি ববটন আপনি দাব উদ্ঘাটন কবিয়া দিলেন। সারা তাঁছা-কে দেখিবামাত্র চমকিত হট্যা ভবে দশহাত পশ্চা-তে সবিয়া গোলেন ৷ কোন ছুনি বার ভয়ন্তব মুর্ভি যদি ভাষাকে প্ৰজাবোদ্যাত ক্ষম্ভ বোধ কয় ভাষাতে সারার এন্ড ভার হইন্ড না। কিন্তু কি চমাকার. हि वत्रहेम आंद्रश्याक स्मिशा डाँग् इनेटल कानात्र মুক্ত হউবার স্থাবন বোধ কথনই ছউত না, কি , তিনি যে কাছাকে কটু কাটব্য মলিবেন জাল কেচ অনুভব করিছে পারিতেন না—জান্তার স্থ-मध्यन महा ७ करूभात **कार मश्रह क्रकार** है: ত্রিত ছিল, তিনি সভাবতঃ অতি সরক ও অকুপুট; ছাৰ উদ্ৰাটন কালীন জাঁহার চক্ষে অকে গার। विहरण जिला नातारक क्षित्रा कहिरसम् वाहेन ভোমার কত্রী কেবল ভোমারই অন্নের্ণ করিতেছেন, कामि ककरन याहे, यनि हिकिश्मरकड का कार्र हुन व्यामीत्क मश्तान तिला। माझा छक् मोर्स अर्थन मा করিয়া তাহার প্রভুর সমন কালীন উটোর ভিকে অনিগিব লোচনে দুক্তি করিয়া রহিলেন। একে স্বকা-

क्कारक अवस्थितियात नावि व्हेसिक्त, मात्र गिक्तिक यहिक्य मान समुद्ध पूर्वाममान क्रिट्क क्रिटन अवर कांग्रमाभूति कविएकिएमन "अमन कि रूप, कजी कि मकन कथा वाक कतिशाहरून"। असू कपूना ক্ইবার পর আন্তে২ বোনীর প্রচের হারে আগমন कतिरुवन अवर करनेक मधायमाम हहेया खनिएकन इंड इटेंटिंड कान क्या क्रक हम कि ना । बात जेन्यारेन कविया उन्दर्भात गृहक्षकान कव महेया तहि-रम्म, **७५भ**रत भगाम मित्र ज्वाकांश विद्या भग नि-क्लिश क्या एक धारवण कति एसँ। श्रहिनीय मंग्र-नाशास्त्रत भरेन ध महला आही न शक् जिमए हिन, ভাষা বাটীৰ পশ্চিমভাগে স্থাপিত হওয়াতে তথ इकेट मयुक्त म्लाष्ट्र हुमामान हरेख, घटतत अक পার্শ্বে একটি দীপ প্রস্তুলিত ছিল, কিন্তু তত্বারা পরিকার আলোক হয় নাই ভাহাতে কেবল গৃহের अक्षकानप्रत खान नकल विश्वयकत्र निर्वय रहेत्छ-ছিল : দীপ শিখা অতি দৃত্বভাবে অলিতেছিল ত-দার। ক্রন্তং সামগ্রী কছুদার দুশ্যমান না হইয়া কেবল বৃহদাকার দপণ ও বসন ভূষণ সকলের কাষ্ঠাধার সকল প্রভাক্ত হুইভেছিল, একটি গুৰাক্ষ উদ্বাচীত ছিল ভদ্ধার। কবল বালুকাময়-তটে সাগর ভরকের প্রতিঘাত জনিত কলোল আত হইতেছিল। বহি-एन रभाव काब कान भक्ष **उथन** क्षा जिरमाहत इंदेर उ हिल मा । इकुधिक निल्डम ७ जमगूमा । शृह मर्गा **८क्कर** त्वांश्रीह याख्यात श्वाम ध्यश्वारमह भय अव একবাৰ আংডিপথানত হইতে ছিল। সারা অখ্যার भार्त्य मधायबान इहेता कजीरक मध्यायम कतिया কহিলেন, প্রাভূ এইমাত্র গেলেন, এবং আমা-কে এস্থানে অবস্থিতি করিতে আদেশ করিলেন, আপনার:এক্তেৰ যাহা অভিক্রচি হয় ববুন,—'ভরে जारता भारता करा" तकरल अहे करहकृष्टि कथा अन्छ হইল। সারা কম্পিত হতে তুইটা বর্তিকা জালিয়া শ্বার পার্থে, একটা কাষ্ঠাথারে স্থাপিত করিয়া চারিদিকে একবার দুক্তিপাত করিলেন এবং কণেক পরে মোদারি ছুলিয়া ব্রিলেন।

া সারা-লিস্থের কত্রী বিষয় রোগঞ্জ ক্টরাছি-त्मम, किया त्मरे अकात खान आहा हीरनाकिनरनत इवेदा थाएक, एम ब्यारमंत्र अवंश क्रमस्मान अवन अवे त्य प्रसुद्धत क्राटम क्रव कविद्वा क्राटन, वाष्ट्र बृहमा क्रिपूर्व अकार्क रस ना । हि वहरून भारक्टवर मात्रीटक खरकार्टक দেখিয়া কাহাত্তো এমন বিশ্বাস হইত না যে তাহার আরোগ্যের উপায় নাই। সুস্কায়ার তাবত লক্ষণ-हे हिल, फरव किथिए पूर्वल ६ कुषा। मामाना भीजा-গ্রন্থের পর আরোগ্য কালীন যক্ষপ দেখায় ভাছাকে ও তত্তপ দেখাইতেছিল। ঘাছার। পীড়ার প্রথম স-कोतायि त्रया क्तिरुक्टिमा, अशिक्तित मत्न अ-কবারও দ্রমে জ্ঞান হয় নাই ষেউাহাকে কৃতান্ত এক কালীন এাস করিয়া বসিয়াছে। মোসারি উভোলিত হইবামাত্র কত্রী ইঞ্চিত করিয়া কতকগুলিন নাটক ও কাব্য এছ শধ্যার চিল তাছা শ্বাকে স্থানান্তর ক-तिएक जाएमम कतिएलन। मरकारतन अभन ७५ যে সহজে দৃচ অভাগে এককালে ভ্যাপ করা ধার না। ভূতোরা আপনাপান বাহা বক্তিতে ছিল দে कथा अपूनक नहर । जिनि अककारन नागर मध्यपारम ছিলেন এবং অভ্যাস বশত নাট্যশালায় ব্যবহান द्वाभाषाती नाहेक **बाह मर्जन**ि शाके करिएडन ।

গৃহিণী বভাবতঃ অতি উগ্র ছিলেন, নমভাবে কথন কাহাকে কোন কথা বলিছে পারিতেন না, তৃত্যবর্গ ও পরিজনেরা তাহাকে কুতাত্তসম তর ক্ষিত। তখন যদিও মুমুর আদ্ধ তথালি রোব-পূর্ণ বরে নবলৈ আক্রা দিতে ছিলেন। সারা উজ্ঞ গ্রন্থর করিতে পর গৃহিণী পুনরায় ইলিভে বারা দেখাইলেন যেন আরু একটি আজ্ঞা পালন করিতে বাকী আছে। অবশেষে কহিলেন, মার অক্রা কর—জনম্ভবা কাহাকেও আমার ক্রা আল্ল করে নহে। সারা অব্যক্ত ক্রিয়া গৃহিণীর আজ্ঞা পুনক্তারণ করিবা কহিলেক। কি ভোমার অত্ প্রক্তানণ করিবা কহিলেক। কি ভোমার আজ্ঞা পুনক্তারণ করিবা কহিলেক। কি ভোমার আজ্ঞা পুনক্তারণ করিবা কহিলেক। কি ভোমার আজ্ঞা পুনক্তারণ করিবা কহিলেক। ক্রি ভারা ক্রিয়া কহিলেক। এবং পুনরায় অকুলির হালা আরু আরু ক্রিয়া কহিলেক। করিবা করিবার ক্রিয়া কহিলেক। করিবার করেবার করিবার করিবার করিবার করিবার করিবার করিবার করিবার করিবার করিবার ক

त्मन अवः ७२ भरतः भरतंत्र भारतं मधायमान हरेया. शृहिनीत मूथ धाकि अक मुर्छ महिमा त्रिस्तिन। ক্ষাকালপর অভি সৃত্যুরে জিজ্ঞানা করিলেন, কর্ত্তা-কে কি সকল বলিয়াছেন ?—্না, "এখনপ কিছু বলি नारे,-विलवात अना डॉहाटक डाकारेशाहिलाम, कि इ अनग्-बहास्टरक अभन मिनाहर कथा ना कि ध-কারে বলি, যাহা হউক ছেলেটার কথা না কহিলে সকলট বলিভাম"। সারা ভায়ে ও বিষাদে এভদূর প-গান্ত অভিডুত ফেইয়াছিলেন যে কব্ৰীর নিকটে আ-ছেন কি আব কোথায় খাছেন ডাঁহার ভথন স্মরণ চিল ना। এककारम भारक मध इहेग्रा विनाश कतिएकर সন্মা কে আসনে উপবিষ্ট হুইলেন,এবং দুই করপল্লব ছারা মুখাক্ষাদন করিয়া কাভেরে কহিতে লাগিলেন, ''আহা ! কি হবে গোকি হসে'। ট্রিই নৈর গৃহিণী প্রায়াক কথা কহিয়া যাত্রনার এপাশ ওপাশ করিছে नाजित्नम, सामीत कथा कहिएकर अकाम हि इ ७ छ-স্পূৰ্ণ নয়ন হইল, অবশেষে পরিচারিকার প্রাক্তি লক্ষ্য করিয়া মৃত্তস্বরে **কহিলেন "আমার ঔষধ দেখ** ভ "। সারা ধড়মড়িয়া গাজোখান করত চক্ষের জল সুচি-्लन এवर 'छम्पेड इहेब्रा भंगाति शा**र्य गाहेशा जि**न छात्रा कवित्नमः "रेक्नारक जानज्ञम कवित" ? "रेक्नर নহে. ঔবণ খান''। "এস্ব'নে চুইটা বোভন আছে कान्छ। निव, पूरमत खेसर निव" ?--- भना जा के जात একটা বোডল দেখা ! সারা বোডল ভুলিয়া পড়িয়া मिशिरमान अवर कहिलान अ श्वेषध चाहेरात अथन ও সময় হর নাই। "ভোর এত কথার কাষ নাই आंशारक वांखतः है। (म')। ताता अक्षति शुरहे का-ভরেভিতে পরিষ্ঠিত করিয়া কহিলেম 'ক্ণকাল विनय कल्प अलगात केर अपने भाजन जात विध शांन कहा पूर्वे अभावता । **डिवर्ड** स्वत शहिनीत তুই চক্ষ ছইডে ভখন যেন অগ্নিক নিৰ্গত रहेराज मानिक, पूरे करणान माहिक वर्ग व्हेल, ज-क्किटिंग एक केटलानम कर्न्ड भावतात विक्रकि করিলেন—ক্ষেত্রকর ছিলি থু লিকা मिक स्वित कि मेखारांखन मनि स्वामान गढक इरे नमात्र अथन अक्ट्रेक वटनत अटहा बना नाता

मृत्य काकुडि चात विनाज नागितन 'ना ना अ বোতলটা নছে," এদিকে কত্রীর বিক্টাকারে ভীত হটয়া হস্ত প্ৰদাৰৰ কৰিয়া বোডল বাড়াটুট্র निक्षित अवः विस्तित अधन ७ एरे मांजा चार একটু কান্ত হউন আমি একটা পাত্র আনি। তি-নিও ঘেমন পার আনহান করিতে মুখ কিরাই-लान छ। हात कती अब हुन, रक खेमर निः स्माम কাবিলেন। সারা ভক্তেই চীংকারগুনি কবিজে করিতে দ'রাভিমুখে দৌড়িয়া গেলেন এবং কহিছে नांशिएमन मक्तान कर्टन । शा कर्जी आपाप । जिसी रत्यम । जिंवपे रमन श्रीमी भरकारम उटेस्करत ञहरात्रात्रं कविष्ठं नातिस्नन,—अथिन अनिष्क আইস লোটাকতক আবে: বালিস আনিয়া আমাকে कुलिया धर-अधन अभिष्य कामात भाग कार्हा, শাস পাকিতে আমাৰ বাটতে আমাৰ - আক্রা ट्रिक्ट क्रेडिक्स करिए शांवरत ना । त्रांता कि करत किविया काठेल अवर वालिश कानिया कडीय नीत्व ७ शुर्क निल। कर्द्धो खिळामां कहिएंड लानिएनन, पुंचे कि कात डेम्बाउन कतिहा किया। "ना"-"तम्थ ভোকে আমি ভূয়েভিয় নিষেপ করিছেছি আমার আছেল ভিন্ন ঘাৰ কথন উন্যাটন করিস্না, এক কর্জ সম্থে কাঠাগারে লেখনি মস্তাধার ও কাগভের বাক আছে আনয়ন কর। নির্দেশিত স্থানে যাইয়া লিশিবার সামগ্রী তাবং नोहित कतिरान-गानत गर्ध वृक्षि कि मर्गमह হটল তাই জিজাদা করিলেন—লিখিবার আয়ো-कम এখন किन। क्यो देखत कतिरलन कुरे লইয়া আয়ু দেখনি এথনা একটি ডেকা পত্ৰ লিখিবার কাগত চর্ম-নির্মিত লিখিবার কলক चक्क शश्नीत इं हेत उपक इंशिन कतिरमन, अवद তৎসনিধানে লেখনী ও মশাখার ও দ্বাখিলেন। रुष्ठ भागानि अदक द्वारच अवम्य, छाराएक आवाद বুৰিছ চক্ষৰতা এ অবস্থায় সহক্ষে মনের ভাব লি-शिक्षा श्रीकान् कर्ता हुलाना सटर, कडा लिचिता जा-रहाजन मन्द्रास्थ पर्विका न्यस्थक निष्ठक क्षेत्रा उति 🔉 लमा पूरे अक्याउ प्रमुख्य मुक्तिक कतिरमम अबर में

नियान निविक्तान कविटेलसे, जिंदेनेटिव टेल्समी धानी नंव केब्रिया शिविष्ठाविकारिक अधिकेषी किरियन "रमर्थ कि दिन्नि"। मादा आंपनेटन हैं के बीनने करियाँ ार्टी उनग्र छेषिया किटिंड रमिथि**ंड स**्थितिसमेग । एमसि-त्यान कार्यक कार्यक अर्थ कर्त्रकृष्टि कर्या निविष्ठ इ-हैंग, "ममीरी चामि बिवुक कीरिशन हि वह नि नार्ट्हर औठतरभग नाता मृख साम इत्या क्रिका मिर्नुटि नि-নতি করিতে লাগিলেন, ^{সি}এমন কর্মা করিবৈন না के बीएक कि लिथिएवम मा," और विनिधा शृहिनीत इन्छ भारत केति तान. किन्नु कर्ती कान्य कानिक নরনে ভাহার প্রতি দৃটিপাত করাতে হাত ছা-ডিয়া বিলেন। গৃহিণী লিখিতে লাগিলেন, লি-থিতেই হাত শচল হটল শেষ অঞ্চর গুলিন এক क्षांनीन ग्राम काता श्रुतिक इतेश खेल्लक्षे हरेन। शृष्टिनी कर्शक गिष्ठत बहेशा श्रेष्ठिनिका ध्याय है दिया র্ছিলেন। সারা এই অবসরে আয়ে নত করিয়া श्रुमतीत कक्ष जिलुए कि विभीष बहरन कहिए नातिस्मर्मे. जोशिय काँछ इंडेंग, यपि घटच विलटक शास्त्रम भीड़े छ लिशिया विनिवाद श्रास्त्राचन नाष्ट्रे आगीत अमृत्ष्ट्रें या इनेवात जाने इन्तित, जानि यन अन्यनी এ যন্ত্রণা সহা করিতে পারিয়াছি তে। আর কটা দিন ও সভ করিডে পারিব, একথা আমাদিনের উভারী ্করল সংগ্র সাথি হউক, এজগতে যেন আর কৈছ क्षानिएड मां भारता कर्जी छेल्द्रां कदिलमः एमधे এ কথা খার অপ্রকাশ রাখা কর্ত্তব্য নতে, পাদার বার্মিকে জ্ঞাত করা আখন্যক, আমি একবার বলিং ৈ নিহাতিলাল, কিছা অখন সাহস হয় নাই% काभाव अवरताक आखितं भन्न क एवि विनिध्य की-भारत एम विशान कर्य में अकर्ति (लंबन दांचा जाते-मार्क हैं देश केचे बड़े देशवारी जांव, कावारी पृष्टि कीम केडिएडएड, क्यांकि योज्य वानि कारी निव में माझ क्षेत्रं जाकाश्रामान देवेकी मृद्याक्षक मर्गात जाकर त्रें। वंश्व क्षेत्रें का नेवार्त्र हाथ क्षिकान क्षेत्रिया सामित करिएंड नाजिएसमें । कि तेर क्षेत्र जा रिपी के किएके - जून के जातिका, केंद्रिय बोबांक विवाद म्बरिय व्याप्त विकास कार्यक **व्यक्ति व्यक्ति स्थानार्य गानी**न

मीत कही काम करि में हैं " रेकीमरिक नेवारेड मुलीकर वेहें गारित किया केर किया हैयाहि, ब्रांति उक्तर व मति कृषि व्यक्तिरहादम्ब कथाल साधित ना ? जात वाङ्ग भागातं "किर्क्काहिस्राहिस्राहिस्राहिताः अदर त्यानेताः আমার কথা যদি না বুলি কর ত ভোটার পকে বড় विभेगों । जिनेशी व्यक्ति शिक्ति वाकि करति ए सूर्व चौकिएक भौतिव बींा व्यापि महित्रों अ एकामात নিকট আলিব'। দীয়া এই কথা প্রবণ মাত্র আতক্তে চীংকার খুনি কর**ভ** চমকিয়া উঠিলেন, "ভাগো কিবল, ভোমার কথার বে আমারি লোয়াঞ্ছর"। এনিকে खेबरभेत्र 'खर्ण मित्रे एंनेस ५ शहरी "विश्वल के ने एक लागित्यम, जाकिय क्षेत्रं हेक पूर्वश्रमान करिएक नौतिहान अदर' भवरोक्षेत्रक राश अभाग जमान केशिएंड निशिएननं ; भएर अर्क नाहेक इंग्रेट फुड़े अक वहन बिन्दिं शानितनमः अवश तककृती क्षेत्र धानान কালীম মন্ত্ৰকীগুল যেমন ঐশক্দিগের পানে চাছিয়া হস্তাউত্তোলনা কৰত দৰোমমাক্ষেত্ৰ দেই মত ভলিনা ধার্মকারিদোদ (এবছ মর্ভকীর খারে হস্তা প্রসারণ করিরাক্ষিছিলন : শলেখ ' ৷ শারা : কি করেন: ভারে चाफेष्ट-ध्वीय रहेया विकास स्टाइन कहीय चाका ध-मर्ग त्याबनीयमंत्रियान्कवित्यात्रः किन्तं व्यवस्थानसः रहेशा আর " এক চিত্র ুর্কারিতে ছিলেন "কবন্ন হইতে केत्रियाः तकामार्थ-कार्रिक कालिका मान्य कर्षा उत्हात মধ্য বভাষ্ক জাশাৰক ছিল এবং উৰ্বাই স্মারণ করিয়া किन्निकार्कहर्नसम् इहेर्क्नोक्टिशनः। क्रोकःशक्तः हिन्दिरित इंडिन्के जनकारमञ्ज्ञ त्य केमर्वत्र व्यक्तित्रक्षां क्र विक-स्मित्ति हुः इन्हें **स्थानित क्यार्य क्यार्य का का क्यार्य क** क्वेट्डिश व्यक्ति अत्यविक अवेशक विव अर्थ करत कार्याम खन त्यस्य कार्य कार कार्य का देशकीय प्रतिवादक अन्तर अक्री स्पति जना नहेग्र अवेडि क्षाणीहरू केशनका उचाका जना के बार्का क तुरुक्त विकरित्र विकिक्त जेगामम रवास कविदेशमानमूक्त मिकि भे नशास मेथू विक एकेएक कार शिंग। क्रथन शासात क्षा अपूर्ण कवित्रों अभिराज्य में अपने स्वारंगः स्वित्र प्राप्तिक अवस्थानमा कोई प्राप्त राज्यम छाउँ वर्ष वर्ष आकर करिहर जानिएसक यासर केंग्निरफर जिल्हिसमा अवद

भिर्मित्वर डीहाइ क्ष्में हैहेर्ड वाष्ट्रवाति व्यार्शन विभिन्न हरेटेड नातिन, मद्यर डाइन कर्र निर्देश কাভারাজি নিম্মত পরিতাপ সূচক মানিও প্রত इंडेल । कांगरंबत डोहि मुखी आई मगछ भून इंडेन शक्ति जन्द्र विजित्ते हिर्मा अवर कांगन महिशा जारनाशांख नृष्टि कर्न्न में रित्यू जिलिन मान यानन कविद्यान । क्रारंग रेनिविष्ठं छेपट्सव अव्यक्ति भन्नीरिव প্রিবাঞ্জি কওরাতে পুনরায় বিক্সল ইইবরি উপ-्याग इडेने. सथम छन दिल्लियांवर्ग प्रदेश उँतिन, वांका অপ্টু ও স্থালিত হইতে দার্মিল 1 পরিচারিকার हाएक त्मधनी निका कहिएलम, "इंडे आंशनाई नाम नी८5 जाकी खबर्ल रलश-मार्भा जामिया जालन ঘাড়ে সমত্ত দোৰ কেন লাইব, সাকী নতে সহ-যোগী লেখ' । পরিচারিকা কি নারে আস্থে: আ-দেশ অসুসারে নাম 'বাকর করিল। তখন গৃহিণী পুনরায় কহিলেন ''জামার পরলোক গমণের পন এই পত্র তোর প্রস্তুর হুন্তে অর্থণ করিন্ এবং তিনি যদি কোম কথা জিজ্ঞানা করেন অব্রৈকল वंशार्थ यात्रा खानिम छाई वंजिम, मान कवित्र विन शहरलाएक रखाँव विठात शरह । माता कुछाअनि-পুটে কর্ত্রার প্রতি কটাক করত সাল্য অবলয়ন कविता प्राचित करिएंनन, "कि वनिव आमि भाभा-চারিণী না ছইলে ইচ্ছা হয়ভোমাকে তুলিয়া তোমার শ্দ্যায় শ্রুন করি"। "সে কথা খাকুক এখন ভুমি স্বীকার কর আমার মৃত্যুর পর ভোমার প্রভূর হত্তে এই কাৰ্ড দিবে, না ভোমার কথায় আমার ध्यकी कि इब मा, कियारक अर्थ करिए इहेर्द, क्षे ধর্ম পুত্তক খান আন ভূমি শপথ না করিলে আমি কৰার জ জাজির ইইতে পারিব নার সামাকে আবার मिश्राम देवीएक देखाँमात महेक सिंधा कतिएक चामिएक े हरेरंब कि स्भारतीय छत्र धार्मात्वत्र शत्र के ही है। निहा केंद्रिया । शदिहातिका कांभिएक केंद्रियक गर्म श्र-केंक प्राप्तित्र किर्देशन। शहिली धर्म शुक्रक एम-विश्व केविन "बर्ड श्रीक्षक न। कामारनत वानित याजक म्हण्य कर्षां कर्षां का का विकास करा है जिस्सा 🍇 🎮 দিন বিক সান্ত না কৰিতে করিতে বলিতে-

हित्त्रम, अध्य प जिल्लामकोते देशिए के कांगरहाँ में-हिक विद्याप माहे कार्य ग्यामि कि केंद्रक मिनीमें कार्मिम, जामि दिल्लाम, असे क्रम के कि जामान मेक्टनद महिंडे खीं कि बार्टक। देन अर्क अर्बे देक की भित्र "ह"। नार्वा केलत केलिन "अकृत बीकी बोणी: मात (नवत-क्रांन कर्म क्रिक्ट्रिक मा/ अभन क्रि কাষার সভিত অইমজভান রাখা কর্ত্তর্থ কি कहिलान, प्रांचकं के के कथा के हिलाकि होने में, किनि के वित्या हिएलेम डाइकि सि में निवास करेके अने मकल लाय मार्ड्सन कहा उंहिंड" "वामि छाहार्टि फिछव कविलामः गंकरलत् देशार्थं मोर्क्टमा कविर्देशे পারি দেবরের যে দেবি তার্চা এছদয় হইতে অপ্নীত इन्तित गाइ। के कथा क्षिमा बाजक करिएलन, কঠোর অনুভাপ না করিলে ভোমার মন প্রির[া] হুইবেক না, আমি জাবাব ফিরে আসিতেছি '। "কি বল সাজক পুনরায় আপিলেও আসিতে পারেন"। এই অবসরে সাবা পর্মা প্রাক্তকথানি আন্তে আন্তে सामाध्य कतिएक जिल्लाम, कजी खला, दे सीग्नें सी-ভাবিক উত্তভাব গাধণ কলভ কোপ দুষ্টে গারার এক হস্ত ধরিষা ধর্ম প্রস্তকের উপর সাবিধেন অপর হস্ত দাবা আপনার শধ্যার আস্তরণ উত্তোলম করিয়া পূর্ব্ব লিখিত পত্রখানি অন্তদ্ধান করিতে ना जिल्लान, পত्रशामि शाहेशां यम डिपिश वृत इहेन এই ভাবে একটা দীর্ঘ নিগাস ভাগে করিলেন। कार्यान्य कहित्समः "अप्ति अथन भर्यः स अर्छ छ-कार्न इहैं माहे त्य : जामात दिश्मित क्लि, त्जामा-কে শপথ করিতে হুইবেক, ভৌমার কথার উপর আমি আর নিভর করিতে পারি না। জান্ত নত কর: भर्ष श्रुष्टक लंख, कानिखं खोगाते अहे (नर्व खांडा) লঙ্গন করিতে সাইদ হয় করিও? । রাজি প্রায়[া]শেষ हातिमिक निस्तत कम भन्तपात गाँछ। भन्न बाहे, देखि-कार मीखि काम कींग अंड इहेंगी वानिएड हिन, मन शक्त थांडांड मधीत्र एवं भर्या थारवन कविर्डाष्ट्रमः भएमत भएश किवेल मामरत्रत जतहमत नक केक करी वात क्षांक गयाबंड करेंट उक्ति । अने कारल हैं और त्नत्रं मूर्व-धात्र गरिनी नया शहरक अन

ক্রিচেছিলেন, 'শেশগ কর,'' চক্তলভা বৃশত একং বাৰ উচ্চার বাৰণে যোগ হইটেডাছল, আবার ক্ষণেক পরে পুননায় দেই আদেশ করিছেছিলেন অবশেষে किष्ठिय वस भारेमा को धर्मन "मंभय कर त्य व्याभाव মৃত্যুর পর হুনি এই লেগি ন্তু করিবে না'। ধারা এই कारल किशित्सन भूमुद्र कर्जी सीत वस उन्हांत हरास्त्रत উপর হুখ্যতে উভোলন করিয়া স্থাইবার কি একবার ঊাহার মুখেব দিকে প্রসারণ করিয়। শঙ্কেত করি-লেন। অবস্থেষে ওাহার হাস্ত পুরুজার গার্থ করিলেন সাবাস্তু স্ববে কহিলেন,হ' আমি শপ্থ করিলান 🐪 काबी काराम अहे कथाश मझ है ना इहेश। पूनताप ष्यसूर्याश कांद्रत्वन, निवाकत त्य व्यामान मुङ्गद , প্রতিদি রুমি এবাটা চলতে যাও জাবে এ লিপি বা-নি লগ্য। যাত্ৰ মাত্ৰালে, কলকাল নিস্তন্ন থাকিয়া কৈদিও ভাত হৰ্ষা ভাড়াত ডি কহিলেন প্ৰাক্তা भा आभि मान्य करियामा । किस है और ठ हुई मा इन इंग्ना क ही शुमनाय कोबरना । स्थान दल ,ध '- कि व व्यवानहें कथ न्याकित दहेन न व्यवक इंटेश. (१८), মুখন্নী বিক্লাত অ'ব'ব গ'র। কবিল উড়োলিত হস্তের অঙ্গুলিট্র বাফ ভটারে লাগিল, বিশ্ব কণিয়াত হস্ত देश्वम कातात्वय निरुक्त वावसाय व्यागाविक १५शाएक সাব তথন ববিতে পারেনেম যে পুনরায় সেই উষ্ণ অনুস্থাৰ কৰিছেছেন। ভাষাতে কছিলেন আর বি জ্ঞাপনি পে ওলৰ বাখিয়াছেন, যাহে ছিল ভাৰত रा पान करिएनम এयन कियल क्षेट्रे निकाद छेष्य অন্তে নামি ডবে কাহাকে ডাকি। এই কথা বলিয়া ঘার নিকে গমনোদাত ২ণলৈন, কিন্তু করীর কোপ নৃষ্টি দেখিয়া চলনশক্তি টান হইয়। চিক্তিতের ন্যায় नखाश्याम विश्वास मुभुष नातीय अञ्चल काणि-उडिह्न, विशवहमा कविदलन कोन कथा वृश्वि विन-্ভেছেন, এই ভাবিয়া নিজ কর্ণ কক্রীর ওচ্চের সহিত সংলগ্ন করিলেন, কিন্তু খানের শব্দ ভিন্ন কোন কথা क्यनित्क भाहरतम मा, जन्म कृष्टे अक अक्ष्यक हिंड कभा विभिन्नं इट्रेंट नांतिन, व्यवस्थार क्वम अहे ্র শুনিলেন যে শারো সনিকট হও আমার আর क कथा विभवात लाइ । किक मुर्वत कथा।

भृर्थहे व्हिन, वाका निःमद्रन इहेन मा, क्राम मुद्रीक স্পান্দ্রীন হইয়া আসিল। সাবা এক লক্ষে হার 🖫 দ্যাটন করিয়। পরিজনদিগেরে ভাকিতে লাগিলেন কাবার দে, ভিয়া আদিয়া শ্যান্ন ক্ইতে লিখিত ক'**নজ** थानि नरेशा ध्यानशास आत्रम तक करन भतिरश्य व-স্ত্রেব নীচে রাখিলেন। কত্রী মৃত্ঞায়, কিন্তু তখনও ख्यां! विद्यात क्य भारे. भावा यथन शत कुलियः लहे-লেন এবং দেই পত্র আপন প্রিফ্রের অভাষ্টে রাখিলেন ভাষাকত্রী দেখিয়া উচ্চার এতি এক দাষ্ট কটাক্ষ করত। মুখ ভঙ্গিমার জারা কোপা ও বির্নজ্ঞ श्रकाय क विराम, कि स कि क (द्रार काका को स, का स কথা বলিবাৰ সাম্পা নাই। প্ৰথানেই সহা বিৰ্ इदेन मनीक 'अर ७ म्यामकीन इन्ले इन प्राप्त प्राप्तिक इस्स अभिल एके घर विचित्र इहेन. १९१० विद्वाद হটল। ইতেমেগে নারার শব্দ কর্নিয়া চিকিৎ-মক ও একজন বাবি একটি ভতা সন চৰাহারে দ্বরম্ব গৃহ প্রাবেশ করিল। তিকিংসক ভাড়াভাড়ি শ্বার পার্থে যাইয়া দেখিলেন যে ভাছার কাণ্য मार माहे. फित्रपा जुडारक छ।किश करितम भीध তোমার প্রভাকে বল যেতিনি যেন গ্রহইতে বহিং গজনা হন আমি আলিতে।ছ। গৃহ মধ্যে এতলোক আইমা, কিন্তু সারা কাহার প্রতি একবার দুটিপাত করিজেন মা, প্রাত্তলিকার ন্যায় স্থাপানি এক প্রার্থে भाभिक्षेत्र विहासन । धार्ति सरवत् आकृषिन वञ्च छू-লিয়া দেখিবামাত্র বিকটাকার দেখিয়া সিছব্রিরা উঠি-লেন,ত পারে চিকিৎসকের প্রতি চাহিয়া সারার দিকে अञ्जल प्रभारेश किश्ता और अधार आहे शांकिवार প্রয়োজন कि,যে প্রকার দেখিতেছি ইনিঞ্,যেন এ-কেব'বে মৃতক্ত হইয়াছেন্' 🕮 বৈদ্য ভারার কথার পোৰকতা করিয়া কহিলেন, ভুমি যাহা বলিতেছ নি-ভাশু অসলত নত্যে তৎপরে সারার স্কল্পদেশ স্পর্শ করিয়া কহিলেন, ''দেখ ভুমি এখন একটুক অন্যত্তে হাও"। সার। গাত্রস্পাশ হইবানাত একেবারে व्यक्तिक हरेशा डेविटनन, अबक जाभनात बक्रुटनरभव কাগজ অন্নেষণ করিছে লাগিলেন, ক্লাগ্রন স্পর্শ করিবানাত্র ননের সংস্থেষ্ট দুর হ**ইল**ে জাড়াডাড়ি

有行为10年间产生的 नानावित अधित्यनी शो केंद्रावर्ष के रे अवत नगरेत मा-বিভয়ণ ক্টিটেইছিল ্য য়াজপুটিবৈর মানাৰপ ৰেশ ৰায়ৰ পুৰ্মাক মুকল স্থানে সকল নৃত্যালীতালয়ে স-वंत अवे।मेर रेकाक्षमं ও विश्वामागरय केंगविक था-किंद्र 'अखाँदर गांचल उट्यांना विवाहत्त्व किए बाज अबेर्यकाम अधिराम गाँ। विकृ विना-তে ক্রমে বাদলীয় ভারৎ কুতাত অবশত হইলেন, अक्रिक क्षेत्रीय निकंट स्टेट अटे बंटेना अध-লাৰ রাখাতৈ ভ উল্লান তেটা, প্রদীমা বছিল মী। हो जमक्षिमाद्रेम मनकिख, कथन काहाँ मन्द्रकें क्रमम আৰ্থা কয়, আহোৱালি এই ভয়। একদিন বাদশাহ সিংহাসনাক্ত হুইয়া সকল মত্রিদিগকে আহ্বান করি-यां किश्लिम, अडि विवयं विवाद खामात कर्गलाहत मा कर्न समा क्षारिवत विष्ठात काणि शकार कति है. अकः । वाक मित्रात अहे संबंधे हहें एक क्**तर**शब् লাও উপায় নির্দায়ৰ করা কর্তবা, শন্য কর্ম দূরে গানুক প্রক্রান্ত প্রাণরক্ষা রাজার প্রথম কর্তবাইব ं कुंबे तीक्षवांनी बेटना को खनावि मां खानि छ গান্তি ক্লা সম্ভীর ভাবৎ বিচারালর ও বিচার সং ক্ষিত্র কম্মচারির উপর এক প্রধান রাজসন্তি নিয়ো-জ্ঞ হিলেন, ওঁছার উপর বিচার সম্পর্কীয় ভাবং-দর্শের ভার ছিল তিনি সকলের নিমিত্তে দারিছিলে-े खाराव है महिव मानिवास्त सर्वाद विठादात था-मिलाकि का वर्ष महादूर अहे नक्ता घटना इस छर-नटम जाबाह क्षेत्रांकि सामके अन्यम कर्पाणित क्षाकृष्टिकार्यम् । डिनि कडि श्रीहीत. क्षिक्र विकास अपनिष्य अपनिष्य (पालक्ष्र) एक त्वचर्य पार्व तकवाताः रिकेटिया किया । कामभाव केश्वटवरिक

र्विव रमिणाटन जानमे अधिक वि त्या अक्टल विक्योरहत िम स्टब्स् िनि विश्वित दर्ग मनादे हैं कि कियन शता अकृति शिक्षि ভীষণ কোপানলৈ এঞ্জলিভ চুই य यमि ए करभारमत माश्न आ निष्ठ हेरी किन्छ तर्रे पिटन तर्रे भैकन स्था देवेन के बिन प्रथारेट हिन । योगेना के कर्मा विकास करिय कतियामात्र महाच बाहका कविहताते देव बिन देवर्गे कि । एके ना आर्थान वो के बोबीत अधिकर्गक গের উপর অসাধারণ ১ উত্ত কুরিক্ট प्रहे वश्तरावति अहे छत्तामक आर्गिन्छ है हो যাহার কথা প্রবণনার লোনাকিত হয়, সাহার হারী। সংখ্যাতীত পরিবার অনীম পোক ও ভরে নিযুক্ত रुवेशार्क साराटक कावान तस नक्टनर किया व बाटम जियाल ब्याय हरूमाटक, कुरू हुई पश्मद्भव भटका এই অভাগার নিরাকর वे अ निर्वाहर गत्न दिस्ति है পায়-করিস্নাই।

বিচার মন্ত্রি ক্ষতি বিনাতভাবে উঠার করিলেই।

হে প্রতাপান্তি স্নাট অধীনের প্রতিপ্র
কুপা করিয়া কর্ণপাত কদন। কামার করি ক্ষতি
কিছু মার নাই মনুষ্যের সাধ্যমিন হৈ করিছে ক্ষতি
সকলই করিয়াছি, কিন্তু কিচ্ছেট এই ক্ষতি হ

नम्हि थेट्रास्त कतिहा उन्होंस्टर्स किन्द्रिक स्थापन स्यापन स्थापन स्थाप

খন। থানার সংখ্যালার কণাক। তোখাকে <u>নম্ভ্রম</u>

विशेषाक्षित्र विशेषा हरे त्वक द्वासात शमक जन्म नर्गेत हिन्दिन कामान मानव से ना मनवन इके तक। विष्टाक्षाका क्यांका ज्यानिएक शाहित्वम् इव अक ছুট্টিকর্জিনি চারনে জ্পার্ক বেনেরি প্রাকার পালি के अंब कि केर्डिक शादि ।

्रिकेष्ट्रिके क्रम्बाहरू काउँ महाबीक, जन्मा काहारहा ऑस्ट्राइन्डा स्वन अभन हेव्हा महह । कि करत्रम, भरतर क कि कार्या के बार्क कार्या कर बार्क के बार्क के बार्क कार्या कर कार्या कर बार्क कार्या कर बार्च कार्या कर बार्क कार्या कर बार्क कार्या कर बार्क कार्या कर बार्च कार्या कर बार्य कर बार्च कार्या कर बार्च कार्या कर बार्च कार्या कर बार्च कार बार्य कर बार्य कर बार्य कर कार्य कर बार्य कर कार्य कर कार्य कर क क्षानामके अक्रोण कर्माकार महित्य हेनिक का विकास करिएक कारमन करिएसन। , मन्ति ক্ৰেন্ত্ৰ ক্ৰিয়া মনেং ক্ৰিয়াখত হুইনা नामा भागा क्या अस्य क्रियान । सर्वत्र भी जात्र मार्जिक्क केटनम, किन्न देशाहा हुत मा (पशिहा শ্বহিশয় বিষাদে মধ্য ২ইলেন। সমুধ্য নিজে বড় স্বস্থ क्क्रेट्रन्य मा, किलिअ, विदार मध क्क्रेया द्रोध गर्जा ভক্ষক নিক পুরি মধ্যে প্রবেশ করিলেন এবং মক্তাপ ও মাল্লুল নামক তুই প্রিয়তম রাজপুত্র ঘ ্যকে আহ্বান কৰিবা ভাষ্ট বৃজ্ঞ অবগত করি-লেন, ভাছারাও ভচ্ছাবনে বাদশাহকে কার্যা-প্রেয়নে দুছত। প্রকাশ আহনাক বলিয়া অনেক সাম্ভা করিলেন। বেশের রাজনীতি অলুধায়িক রাজ্ জুয়ারণিধের রাজবারীর বহিপতি হওয়া নিৰের हिन्न, क्वीं इं! को इक वायु अवन आदशम आदशम রাজগুরি ও ওচন্তর্গত পুস্পোদ্যানের মধ্যে যভদূর পর্ক সাধ ভাছাই কর। আদেশ। পুরান্তর ্ল্যেক্সমাজের শহিত উচ্চোনিশ্বের কথোপকথন আল্লাস পরিচয়া, একেবারে, বারণ ছিল। **春**夏。 দিনের বিশ্বি করা ২০ত প্রভরণ ক্রকসমানের। বিশেষ উপকার ক্রিয়ারিয়ান করে ক্রিয়ার াজ্যানীৰ উপস্থিত তুৰ্ঘটনাৰ ভাৰৎ আৰু জা- া কাৰ, কৰিয়াজিলৰ হৈ সংখ্যাৰ আৰু আ तिर्द्धन अवः ७२माई कात्र द्वाक विधारक करा ्यन्य, कतिया गर्वाम ध्रुकान स कर्निक न्यानाचन

The Tale State States with any and ALIEN MENT AND AND A

तालाका शक्तत छ अकारिशत (क)धामन निर्मान क्रमा सामात ध्य नमाम क्रित खाँद खाँग खाँग है। ভারে: অতি খেদে করিলেম, তুই বংগর কালু অভি स्टब्स स्थक गासि तकक भवन अन्तिमीम शति-আরু ও ষত্ম কারায় যে হাও জুর ভ প্রকাশ করণে জ্ব-সমর্থ হর্ষাছেন অন্তাহকাল মধ্যে আমি ভাহার कि कतिव । मञ्ज धात्राय धूलीटक वर्ग कत्रा, ও मञ्चराटक শুমার করা 'ত সাধ্য বলিলে হয় ৷ কোমগালি ক খ্যা-ति इस्टिः मुक्कारः एक्टिन्सः। त्रिकः। छेलाः 🧸 किहू मारे ? साजाखतान (काचात धमन जाचीध স্ভান কেই নাই ক্ছার: স্পুট্রের এই অস্ত্রত আছে। পরিবর্তুন হউতে পারে। ভাষা। বলিলেন, আ-মার ভাতা পাদিনাহ দাহেবের ক্ষত। জনেক जारक, किंग करे. दो कोका काबाबी कविरम कविरक. भार्यम ।

Mary Control

श्रामास हेक.कि ऋदेशकी, क्षक्राम कदक 👼 श्रुरक নিরস্ত: করিয়া কহিলেন। 🖙 জিয়ভযোগ্রাভা यपि भागात लगाचित्रक क्यांगातिनात्र भागन कतिवात म नर्भ अहे आका विद्या थारकम कृमि কি মনে কর কোন পাশার কথায় তিরি , নিয়াত্ত इटें (तम १: ७३) कृद्धाशकश्रमाख्यः मुक्कारे क्रम् काल विखास मन्न व्हेंसां, स्मोमानव्यक्त, कृतिया विश्वितन अवस्थित विश्व महिला कार्याक मान अवकी कार छेम्य । इंचरा हुक् भूम े हारक भूमीत কাছৰতে ছট এক জেখাকৰিয় কৈছে আৰু কৰি-्मन व अप्रक अक दुश्चित्र सिन्धि अकलात লৈ ভাষার উপত্তি কেই। করিনের (नार से इंडिएक) समान

affect that when well क्षित कारीय गरीचे करिएमन कटन পত্ৰ বিশ্বিদ্য বিচাৰ মত্ৰি এই ৰাক্ষেত্ৰ পোৰকতা ক करवं जामामिरना विश्वप्रमी स्वरा चुनकेका चेत्र वह गात महेदा वीका पाणात विकर िलान के स्वाप्त कारी। मन्तर्य विश्व बाज जड़ा अभिने करी जिल्हा कार्र, छरमहिमीहर कृषास्त्रम ें उसके के किए कि हुमां व बील जिन विषय नरेंह । जि वाकि विक्रिक्त वर्ष महामीम लक्षण्यी कार नजाती जाती जातन ताल ताल कीवम तकार्य काह्या क्ति व विमेश वाक्ष केरित अवना डाहार खड़ा-कवर्र भग्नाक नेकात हरिएक । खुनकेका निर्क बोकर व्यव मार्जिं बाहर है जिला ह हरेलन, किछ कि व कींद्र के रहे विकास उठका, वा किया से साई उठका 'उदिषंश निट्नव' 'छेशनिक मा केतिया' 'कितिश' शिक्-ভারিঃ পান্তের সমত। হইনেন। তাহার পিতা জিপ मण्यून कितियामाख रिक्सि कितन पृष्ट केन क्वीजामानी मगिष्कित्रीहाटेब महिक किए केर मांगरन अक्षान क बिटलेन । कनेशक बेन्स्लॉबर्नर (मेबिक खाथ इश स्वत वर्गीय विन्धारती नहाई अवकीना इक्सारहमा मुचा न्द्रन गराज क्ष्मणन कहिंदी खीबून मनासूत्र ताक्रणश विद्या शंबता व शंका कहिएका अवेश खोल कार्क वर्ज क्षिप्रथ बजाबक क्षेट्रेंड बानिएनम । क्षेत्रवाजि छे-भावित हरे संबंधि गर्छती बंग्राक घारत्व विश्वकृतन वेटींग्रेसके चाकित्व कारम्य करिया कालेकि अरकः नाएक कार्यका के जार कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका के त्रवानिशासक कर्मकर वे काशन

क्षक रमरेन भागानी परणंत्र वर्षररक महाश कतित कृत अवर वक्केंट्रा নাৰি সভা নতুচক সমিযুক্তা কৰিছে साटक । हेराक भग वाचाविका विवास रेमि व्याकाभित्रम् मकीधाकः कुरुकित शक्तका मर्टमा होति : अक्समं क्षानांस कर्णाताति : हेशांत क्षान पृत कमणी, हिंसा अम शामा है भाविता है। भाकाभिरगत कृषा । है शंद गम रच कुनके की साम्र নক কৰিবা নিক্ষি পরিচয় প্রদানাত্তর একটা শাস্ত্র রোধ করিলেন, নৈইটি রক্ষা ভিন্ন আগাব সভীঞ্জ निक अवता जगहर । धर्मा किंग्नात जाता अकी त्या । के कर्ति का क्षेत्र के किए निक्य महेरतम, जन्दमरत सन्ता विक्री कमात्र कंक्श्रे खाकि वारका नम् व्वेद्धाः छो हात्रः शार्थनायः ननार्छ इंडेटनन उँ वरर कमरोटक केंद्रिक दिनिहा आर्-পদ পশ্চাৎ ষাইজে আদেশ কৰিয়া পাৰ্যমন্ত্ৰি এক भरकारके नहेशा लात्ना।

ক্ষরণ পুরবন্তি প্রকোগে মন্তান বন্তা লাল করিছিছিল করিয়া জ্বলঙ্কলা বহিপত ওইংগনা তথন তাঁলার মুখাবনোকন করিলে সকলেরই জন্মতন হলত যেন তথন সেই মুখাপ্রীতে জালা তর্না জাজান তিনেরই চিহু জ্বলিত রহিয়াছে। আগনন কালে বেমন চিন্তা-যুক্ত মলিনভাব ছিল তেরাপ প্রভাগগন কালে পদ-চালনের ভাবে সম্পূর্ণ উল্লাস্চিত ও শ্রীবের ভ্রনি-নাতে বিলক্ষণ আন্তরিক কা ব্লি ক্লান প্রকাশ পতি-ভেছিল। প্রভাগগন কালে পুর্কালেশা ক্লাক্সভিতে গুহাকিনুথে গদন করিতে প্রাণিক্ষের এবংশপান্তাহে সেই উই লামীও সকরে ইংলার অন্যামী হইল। গ্রহে ক্লিভিনামান্ত ক্লামাকিটি নিচ্ছিত্র আন্দান ক্লি-ভার স্থান্তাল ব্লিক্সভালিটি নিচ্ছিত্র আন্দান ক্লি-ভার স্থান্তাল ব্লিক্সভালিটি নিচ্ছিত্র আন্দান ক্লি-ভার স্থান্তাল ব্লিক্সভালিটি নিচ্ছিত্র আন্দান ক্লি-ভার স্থানিক্সভালিটি ক্লান্তাল ক্লিভ্রান্তাল ক্লিভ্রান্

किया क्षेत्र अकाम पर अदबरे श्रीक्र की वार्क की ह आहळत्यां ए नवेश क्रिएनम क्रिक् ब्रह्म डेक्ट्रिक विविद्यानिकार जाहार का का का का का क्रिका स्रोतिकमें कविर्मन । विमानिया कर वर्ष गम ना क्षेत्रक कार्यात्रक का भद्र कतियां क विश्वित के व्यक्ति। े प्रक्राचात । जह तिथिया। जामिलाराः गर्डक्ट स्वेकामः क्रां-बाँड कानमें देव वृत्रिकार तकनीटकहे रजावान बाजुन কন্যাহিরে সাইউ সাক্ষাত করিছে যাও। ভেটানার माउन उ माउना कि जियमा बागात अक्षेत्रिमम जनार आहेता विवरिषक्षिक्षे इंग्रेश शाकिएका देखांबाइ कर निर्शाष्ट्र वाक्षा वाका अवन कति हा जनमा अवन - अभा नाहर्यम् । १००० । यामा वह क्या व्यव-मास्त्र विकास कि हा । अस्ति कथा व्यक्तिमानितार আমি বলিতে বিশ্বাস সইয়াতি বাজপুরিতে আলীয় সহিত্য জানা বৈশীৰ্ষণা কইয়াছে ভাৰা আপৰি ভ क्रमत्री किन क्रांता विशिद्ध विश्व कित्य । विष्ठांत म् के उर्द कथा च्छामता विभित्सम, करव व्यामान्तिगत ভাগন সৌনাবলয়গই ভোগ ভোষার মাজুলকে ভবে ভূমি এইমার বলৈও, যে অস্টাচ মধ্যে এই ভারানক ष्णात 'देवत पृलासूनकारम मन्द्रा नागः कि होत छाउँ ं কৰিব না ভবে যদি মিডান্ত আৰ্শিক চই ভবে আকৃত জ্ঞানার যেনন আগান জড়ত কিবিড বিশাদ সাম খাছ इंडेर्ज छाइ। यहन कवा कजना नृत्तन उक्कभ आधिए · নৰ্ম দিবলৈ প্ৰাণ্ডিতে প্ৰস্তুত হইব।'

২ সংগ্রে ়া

প্রথমীয়ায় রাজি হটনার্চয় যে নির্মান উপজিত চয় নের নিরের প্রথমিত কালে একটি ভালে আন্দর্মির চুক্ত পুলর অতি সংযোগিত সির্মান পরিয়া ভাষ কের রোজধারে অবস্থা কর্মন বিশ্বনী বর্মে পরিয়াল ক্রিটে বিশ্বনা সির্মান ক্রিটা ক্রিটি ক্রিটিয়া

S BENT, WE SEE CHEET. क्षेत्रका अध्येतनाति । अपवर्गाकाके के वर्गमान कियाकिका देनि मीस्तर अवस्थानमा महिल्लाकिरमान THE PARTY WATERWAY THE CHAPTER कथकर जा कि कि केरिया कि स्थान सरवास करना भिविष्ट केल्प्स्क माविष्णाकः योव प्रकृतिस्क विष्कृतिक एक्स कतिए दिएममा भवरनाम औषण विक्रिक्टिय शतिवाक्षक्षक्ष अवि भारावन कियां मार्थक्ष व्रम निवा भी भाषादशाक वर्षिकंड (व्यक्तिकारिक) बाह्या का (बल पर प्रकार जन का का कि कि के कर जारीन शास्त्री व्यक्तियात कोएरम क्याहरणम, एँड म्हर्क छः-कारण भाव प्रेशक्त लाकाहिन वेदाविशेष कार्काव অবর্থ ও পরিজ্ঞানে একৈ ভাতিবি ধ্রীন ক্টক 🖟 हेकावा वशःकरमः ८४३ युवा केव समय के बेबर स्वीकी बरना खाका कर्मका किहूम ल हामर्गक्र मा। ब्रेनिक-मान प्रभीके विभागनात नवं के जिन्न भेना का किना नीय जारवात कार्यकात्रफलिक क्रिन माः किन्न करे पूर्व ক্ষতির বন্ধ যে সদিয়ার ক্ষেত্রীক্ত পানপার ইছি-ग्राहित, देशार अध्योध अदेश एवं कियेंग नर्वरक्ष कि-भारताराज्येकापिरभन्न संघ नुके वैक्टर किस्मा । ··· पृहस क्रांचीय गुबरियेत्र 'करवंन क'लीनः खेरहाः क्षा बाह कामा धक्रपाम मिहेक विश्वम काशास्त्र स्थ for the fact bon the way finds रा विकास स्थान स्थान स्थान स्थान । इत्या कुंग्रे के रेश्वा अने के लिए की रेस किस की 「中国中国中华中华等第5章F/首1 WO

.



मध्योकः, कश्चिक्कवं क्षेण्यानकः संस्थिति क्रिकान्य कटकाल-ক্ষমান্তর ভ্রক্ষ দেখিলেন, যে এীক্ষর পরস্পাবতক त्यकाश्र आहरूमे अरक्षापम कडिएकएडम खाकारक की-হারা ভাত্তর করে, কেন্দ্র লোক্তর্ক বিজ্ঞ ভিলেম ইফাদিরেক এএক আনের নাম প্রক্র स्थापन । श्रीस्कारस्याः स्था स्थापन । वसः स्था अभिग्राम जरभकाः व्यक्षभक्षकानुके क्षकः वरभन व्यादक करीतिक दीवात जावता असेर महत्त्वाणी मिर्चन सामग्रन केरकेट करित अस्त्रकारकारेश्व गानिमध्य का कृषिक वृत्रे क्यांजि क्रिकित क्रिका, क्षेत्र दशांत्र क्रुकार्स क्रुक সঞ্জিত বিভাগারি ক্রমণা 五年間 · 神教 图 图 日本山 मुनियाद्वत (वन क्रमधा क्रमधाक अन्यक्रिकार्यन वी-करिएक महापूर कठ कन क मीधाकार नहेंका खाकार स माला अपि बाहर अकेंग्रिकि विकार महत्त्वत्वत्व करे द्यापा STATE OF STA PROBLEMENT STATEMENT AND THE PROPERTY AND THE

MINIOR THE SERVICE STREET, STR 以行日司 中C中华: 秦州C中 海洋市流南下河 地名 医多种一种 কৰিবেন অপ্ৰায়েশ্যেকী নপ্ৰেয় সংগ্ৰাম প্ৰায় অবগত কর্মাট্রের, ভারার প্রথণ ক্ষিত্র এক্সাক্ত व्यानामम् कर्वाः व्याप्यामित्राहितातं व्याप्याः स्वाप्याः स्वाप्याः स्वाप्याः কছবৈ থাকিলেক। **আনি উ**ভার ক্রিডুমার্যন **চন্দি**ত गर्स भावेत व अवत्य कमानि नामनेल के विकास ना । जीकवश উच्चव कविशान ব'লভেছেন আমবা ক্ষান্ত। সংবল্পেক্ত কানি, কিব मामिनित्सक त्यांच वर्षका प्राप्त शासका प्राप्त शासका चग्रवहे अवस्थाक कहे बद्धाक क्षा कार्मिटकार्नाहि ार्। इकेटल कार्यासासासासास, अहे कल ह उपकरित । সংগ্রে গুত কবি। আপুনি শি অর্থতে নালে এ भुक्तकातीरक बाकाक्षाय शहर शुन्दकार विक्रोक के क्रे कार्रक! अमन किल्या भावाजाविक नांदे ल का करिङ जागर मञ्ज केन्द्रेयः नामि इकेटर कर्ण बाजिक Wolen mieten, mifnigamiten out faint মইক্ষাম্বরাত আছি,কিঞাইপ্রেপ্তানাবে আমার খাতা আছে ভাষাতে এ বিষ্ট্রেলাখার কোন কেব আ कांक्रकविट्ड शहील क्षामा । क्षामान क्षाट्रा क्षेत्रम क्षेत्रका दर तकाल अवारत के ब्रांगकेकिक रहें विनेटन काबाटक का अधिएक क्रिकेट । क्रिकेट

मञ्जार किर्मान मुक्ति यानेशाहितमा कि उपूर्णि क्रोक्किकि किंद्रमा न शक्या जक्रपारय कांग्रह्मा पुष्पा क्रिके पात्र आक्रोहक (अडे ऑक्क्स्ट्राप क्षारक्ष कहा) क्षा wints रहिएद्वाम किसिएका अविका ा जासन শ্বিষ্ণ 'হলক' । বিষয়' হিন্তু 'কবনাস্থর আদি অস্থি क्षितिया इंडेलाना, वित्वान कावन मा धर्मा और देश व क्षेत्र हित्य के शरदान क्षेत्र के कानानेना के किया की है। 对事 整物 对于对对 日本 神童 神经术 、古总被 卷时。 জিল্প পুৰুষ াত নামে ভিনতংখনৰে কৰিচেড্ছিলশীৰ क्षे देग्ड वा एवं जारिया कामान दर्भ के आही. **११९ तेव**ं भाइत्त्रीय शम्बी आसम्बन्धित्य माः १ अभिन्न किला भारत एकाम इन्हेश एवं अने सार्क अर्फ मान हिंगी के के जीन निर्माणिय की जी अन्य अन्य प्रकार के अने कि अर्थ श्रद्ध अरावन क्योरिकडे आधात्र खान मान क्रेरिकर क्री शक्तात जिला के कारत भा तत करेता कर्ड का व करें-े अधिकाम असम प्रमाण भाषा भाषा कार्य कर कर के किया विकास তার কেন্দ্রাচন করিল, এবং তলভারত খন কর্বউজ্জ ैक्षेत्रज्ञ किस्तु भाषात् एवं त्या विकास करेता । अस्ति, স্থাইয় তেকিলাকে একো কি মনিকাম্ভান্ত সংগ্ৰহণ কৰ भूप के हे हरा माहे आ म जारी व्यक्तिमा । अवसी अस क्षी भारती स्थाप । एक स्टार्स आह्रिम करित्राम अस्माना क्रिया लातना मरकूर्ण श्रानित्य भारत व्यामात की केन भारत । वर्णात हिंस्रात के भागेत मुक्ता का का किया हैक कर्त एंडल । देशमा कड़ना त्वम. शुर्भमा ब्रु केंच्य शृष्ट किर्म ন্ত্ৰদায় এই দ্বাধিত আনি তক্ষ্ণ ই স্পন্দ হীন অভ্ পুৰু क्षिपंत देशार्थ कंशागान अस्ति । कन्ता क्ष्मिर्ट 🖦 नप्रके नेप र्गत करिया अञ्जीव निष्माप्त मधे व्हेशी केट्रांक वेहतर है से इच्छी है हिए क्या । संबद्धार संस्कार अनेता कारतात अवेड मह नेजीत प्रक्रियात कर्रवा क्रि क्रिकाश करितमा जात है। अहालाया क्रेटकार्म केंद्रिक अपन अगटक केंग्र अक्रमान्त्र किल्पिक्र के कि कि प्राथिक होता है के विकेश में दिल्ली विकिश्त · 女子教育 化中国中心 小型 经国际产品

भव मेर्निका क्रांत्र मेन्स् के विदेश के कि कि कि कि कि कि रहेका लोकालक अग्रन्थ को जीवन करिएक को निर्देशक र - नक्क क्षेत्रके रिक्रोस्ट्र हरू । ता । सा होते को नहीं को नि मार्थ अपि निर्माण केल्या १००२ के समितिकार विकासित एक का केन्स्री काकांड गाविक कांक्सिस केनिया मीकाप क्या प्लाकातः कान .साथ-क्याँ (कांके प्लाप्तत पेन्स करम १ के जिल्लामा भागन करिएस। १२ व्यव मिस् 'भ**ानि' औरनम**्कविशा जिलाबा आहे' दीरत याहेगा धान अक्ष क्विर्मिष्ट खर्भात का नियम मान्य । हारम ार्विक रार्व व्यक्तिम् कविकारकिरिकामे । अक्ति व्यवस्थ নানাবিধ অল্মারে সানোভিত এবং আত্তার**ভাবে** क्रकार करलायम व्हेट्फ २०२५ व्याप्यदन महित्र यास्रा भिष्मक "क्रें। क भिन्ते। क्याराधासुन मासा । कार्या वश्वरक्तम क्रिन दिश्का वर्भव छ कमिक्रोत वश्वम मञ्जनस्था जावक मर्ड मूचाक्काम्य आवित्मः विश्वा (आंगारक हि।-हा, ब्रह्मात कुछ छारुबात ब्रह्मा 🖟 श्रह्मान । कब्रिहाड छा। .मम कार्रेश मार्गा भाषा शक्त वृष्टी व व्यक्त प्राप्ता व বর্ণনা কারণেক্সঅন্থবোর করিলেন,অন্তি আভেব্যু সকল ক্রাই রুফিলইন ৷ টাধারা ইতির্ভেড সমস্য ইয়েছা--বর পুরকার নিক্ষয়াগর কইয়া পরপোরের কুপার্ক रक्षांकम कतिहान मानिहलम । जनमन्द्रत मन्द्रित क्रिकेन क्रिकेन करिशामा । (कन् छ। नाप्री कामसंग्रिक निमान) बुक्ति . खात्रारकम्बानाङ्गारक्क^{भ २} जनम व्यक्ति क्वाराहिरक्ति क्यनावक्ष्मश् । विकासिक्षात्रिक्षात्रिक्षात्र का नांक की नांक के नांकित अधिक के ना का का का ना किए में स्त्राम् अविक्याक्ष्म व्यक्ति विक्रिक्क्ष्मक्ष्मिके मान्सिक MATERIAL PROPERTY OF THE PROPE इंडरेले के इस्तिर मेर विशेषकों स्थान के दिन है जिस्हें अंगर अविकास कार्याच्या कार्याच्या है।

कृष जोबरा जरहर कहिला का शना के वे परिष्ठा मृक्ति के-াব্রা আর আমাদিদের নবমাকে প্লিকিটা করিছে প্রায়ির'না। এই ককা একে সাজে আমি একবারে আন इ.स. प्र'शहूब जिल्हा क्हेजांका । ज्यास्ताम मध्यम कविहा डांश्वित्तकं भाग दिक्याना कविशास स्वारं स्वीन এন যে জেটভার নাম ওপনেছার আৰ কনিভার माम भौतकः। यिनि উटफ-अतः किकिश शूर्ता आः बिभाव बाबो मविद्या फाकिएड"विर लगः पित्रीम १६१६-দ্রের পিতা উচ্চার নাম ন্লড়াবান প্রান্ধ अर्थि भूजक क्षिक्षामा कतिलान स्य धने वर्गभारत्व প্ৰ হাঠাৰা আ**মিমাৰ স্থিত** কৈ অকাত বাৰ্থাৰ ক-ब्रिट्रिय आदि जिम्माद्वर ४। उंदिश्मिर्स्ट अध्यः श्रुत भारता जुनतास श्रीसन इकेंद्र त हेलांस कि । अनास হার উত্তর করিলেম জানিনা ক এখন আমাদিদের গড়েড, সে সার আলাদিরোর আজা লঞ্জন করতে भातिहतक मा आद यनि आमात निमा ह। जिल्हा প্রদা থাব্যর ভানিতে পাথেন ভিনি .ব আমাদি-্ষর বিশংক্ষ কোন কথা বলিবেন ভার্তরও শৃক্ষা मार्ग . ए. इ.इ. कामना हे श्रंत अफिन्छि भक्त है का जि-कामन थालिन अर्छ श्रेष्ठां स्रोत्रन कतिया गणका-क्ति भेड़ करिएलम् कर्म। कर्म। करिय उभिक्र के निक् क्रम रेमिटिंड भारे । शुक्रम, कहिटलन, जा शांन अक्षे किर्णात कि छिल्यों के कुषा करान कविद्वन ना, केरावा "विकासिक्ट अक्रमार्च कम को नम कि हुन कारन या शृष्ट क्रिकिनिक्ट माहे करव भागारक क्षेत्रानरेशे अर्जनार्श्विक आर्थिक का अर्जन कर्तिवाह अकि शामे चिन्ने (केवल काशमार्व काल विस्मानन स्त्रा मिया बार्ग बिक्ट में किंदा भूग गरेता शिक्ट या-वैके शकित्र मेशेयु मित्रहत काल्ट्रकश्में केता म-णां करेमाथा। े पूरे (अन् पृत्र क्रिकार शिवा जियान महर्ग। छोराह अञ्चलकेन करिक्त वर्ष औ र निष्क कातावस विस्तात के धूर्ण तस्त्रा एक इक मन्द्र वा के जार ने पह किया में के के देव व के निय कार हे के प्रतिक मार्थिक में किया है कि में क्षा गारेए श्रीके देन

आग्रह एकन कार्निकार क्षेत्रकहत कि विकास नारमान शरमारमत अधिकारगाः वे निमानिस्यतः विकास खिबरम जाभाव गरमक भाग गर्नेह । अभिन्ना हैं। अस्क आरका के नर्मक शिल्ल नक वक् विश्वित हर जिस्से भेरल जिल्लाची समागे दिस किंदि क्षांत्रभाग नमानेस क्षांत्रिया मा । भी किन स्वस्थ क्षांत्रि কৰিয়া। বলিলেই, হাল নাত আপতালেও যে । সুত্রী लकार एक एक धर्म स्थापित किंग कारहरू, रशोबार के क्याब्रा 🛊 🖔 लिए स एंखर करिरामन गरा तक अध्योह में स्थान পান গালে ভানিতে পাইবৈন্ প্রাক্ত र्राम्बर्गन्तः कमणबीर्गपे भर्तः 411. माभी १८ इत्की भव हीन अन्यश्रीमा आवश्र इंहि स्तरित कालिन कथात क्यांन क्यांन होतीन क्रिकेट लाश व वादालानीएक कांग्रल कुँगैमें के लिखे বাস কাব্যভাত থান অনুমতি হয় ভাসোঁ নিন্তীক भग जिल्लाहार्य भागिमा आधा । निर्मास महिले भे ने बलग की हार १ मन । कम उन्नु वर्ग क्ष खाएँच किन्नू हैं आर्थां मा विविधः तराम अह्यात्र । ध्येकानः विविध्यम त्रतर उरलाम का निम नाभी कृषा महत्रहील मिल्ल वक्षारात निम्मतम् कति। यस वर्षे (स्व शक्षे प्रमा चायतः मञ्ज्ञानात अके अस्तरभुनिष्टक निम्मेर्नाश्च कविट्ड लानिस मा अज्ञातका दिलाई कि केन्द्र हात जाभांद हिन्दुहिन्। क्लिशएछ, रिनि जानापुक লাহার পালিএবণ করিনে হয় ঋামি সেইমারী কিন্তু अ'त काराक तहरी वाजन तो। करिनम्बर काविन रमन अकात अहरत याष्ट्र रणहे शीत्रका, क्यार्ट्स अ डाइर किन का काइएता भारतिका सनिक मेर्टि थालिक भ नेकान जालगालींग किन्हा वरिया के दिश्वेस. वामि वालमामित्यत निक्र वर्णात्रिकः व्यक्तिन (ध^{र्म्}श्रेम) अकस्मन द क्रिये % उप्पृतित एक कथा तिर्देश कतिए उद्भव देशक क्यां का कि स्वाप्त वाकित्य । 'अहे क्या जानवामीक क्षेत्र करत उर हारकः र नहीं दिहित्तन, किल्लांत्र में शिक्टल कार्यस्त क्रक कर्या समित्र अपनाचन कि, उत्त अके क्रकेत गाँउ में वर्ष किरेक्ट्र अस्ति अस्ति क मार्ग कराने प्रतिक सर्व न नियम करिशाहिकान करेर के शास है जिर दर्ज

नीताः भौतार्वः स्रोतः सेकान्ति भाग जाना किरुवा भ ई गाउँ की बात अक्षेत्र देवरी बल डाहाकि क्रिकीलगम कांग्राम हिन्द्र किल्लीकम क्रिक्ट्रिक মানিত জাত নাহ কিন্তু ই চার সহিত কাছালিলের िर्शिख्या (य रिमि भर्गा मर्राक्षेष्ठे अक्षित हिंगिरी क्रीनास जवह न करनमें अमारत जिल्ल किंके अर्थेक्ट अर्वास्क, स्वारंक भारे দ্বীৰ জুমিরী বীনি কে স্তানুন সাভায়ান্ত কবি, এক দিয় ি এক দিন উত্থান সাহাত সাকাৰ অসমায় । । । ।। ्ट्रिसिनीपेंद्र 'व.मा'नाजर मंदिक मराज्ञानाम (घ आः শিক্ত আলাপ বাস্ত্রাক্তবেন ভাষা ইয়াকে কৰিছে কুৰ্মী ভ- ভবে বুলি ভাষাকেন্দ্র দলাক্রাভ কর। হার की हो हर हम स्कार किया स्थम ब्रामिक उक्के छन्न सा-ধ্রীপ্রিশ এছ ইইটান, উত্থন আরু কোন করা হাজে मीहां छ भारतित्वम सा । अधिकाभ हिने ५ भवम ক্লাসী। খানিল হাগ্য করত উত্তর করিলেন বেকা ियन, की नमाभिरत्रत जात अक छम म तर्तरत्त ज्यक ষ্ট্রপ্ত, পেইটি সংগ্রহ করিন্তে পারিলেই ভাষাধে আপ-দৌশিশের প্রীতি রস্তোত অবাহিত হটতে পারি ংশক্র পুক্ষু উত্তৰ কৰিলেল, নাপর না ছউক खूलरिको नाखी नवकारियोक विश्व वक्षम कविएड পারে এমন একজন পারের জারশাক হটে। খারিল ाकि कात्रा कार लिया ज कन्याष्टि एक, देनिन्छ जक जन প্রামার ছাহতা ন। কি ব্রুক্স উভন্ন দিলেন। हैके व दूस भावत्य किन्नू है साबि मा है नि द्व मकेसन শ্বীষ্ণা এই মাত্রে জ্যান, আংগ্নার ভোষাহ্যাগ করি-ক্ষিত্রি কিন্তু আপনি এবেশ করিবান্ধার আপ-माई में भें राधिशं भागता हुई खरनेहैं (माहि छ हुई-ক্রিটির ম, আরু মনে করিলাখ যে, কেই করীরে निकडा मध्यिसार व मस्तुर्व त्यांत्रक नाज्यं जानीनि । थानित कान छेउर मा क्लि फालनानान हिसीय भगाइक्षे विद्वहनः कालक्ष्मीक्षिक्षां (भाकदूनम लिक्टिका सामि। ८२९ ५ एक कि व्यक्त रिक्टिका से वि THE PROPERTY OF THE PARTY IN

डेकील घठका

小河本: 新典山村!

এক अम स्रुविश्रीस बनाएं है यो है। ए खेर्ने हिन्द একণী গৃহত্ত্ব । ভাষ বান্দ্রোভ করেন। প্রা-ছেবে একলি পুৰূপ: বিনাছ বোগ্যাকনণ ছিল কিন্তু धमणालि डेभगुक लाने छाट्य विराह इश मोड उभक्तक शक्ति। मनेक केनराह कल लायका ম'ভিড ছট্যা জান্ধির" ছট্রাটিক্ম। স্কল্প भनन्द्राभना निष्क क्षेत्र अभन किलाहा मा जिलाहा अक क्रम श्विक्तिक उक्तिमार्क मियानन कृत्री योहे.... করেন যে খদি ডিমি ক্ষিনার পিডাকৈ উভিনি न्द्रेशा पुत्रे असे केशी बर्सन केली हरू में के किस आंग्लान करवन । डिकील जनका उन्हें के किया भव निवास केन निवास के कार्य के किया है कि कि किया है कि कि श्रम करिनामा अक्रानीय जिल्ली विक्रिकेटि के दिएलिय भावति विदर्भनित् किलानित् । कथा काकि कार्यन नी। जीविया के जिले । भारतका कि विश्व नामार्थ हेंबेटन जाहीरक करिना न विश्वविद्यान ्य शिकात केशी केश मेंगा

श्वित्मवन । ५

পরিকার জল বদ্দ স্থাপ্ত দেশৰ কারণ, ।

এই জ্ঞান প্রায়ণ জ্ঞানদেশ নাং বিদ্যাল আক্রিয়ার ,

কার্যাল ছারু আত্ত এমন বোসে হয় লা। ভান্

সভান ল হিলো গ্রান বিশ্বন, ইংলী প্রকাশনা প্রত্যাল কার্যালয়,

কার ক্রেল কার্যালয়, তুই আক্রিক কর্যারই স্থান

ক্রিলান বার্যালয়।

ক্রিলান বার্যালয়।

ক্রিলান বার্যালয়।

ক্রিলান বার্যালয়।

भिदान व ते: न ना अवस्त्रात् भाग (महे चापु আবাৰ প্ৰধানের ধান। বহিণাত কলিবলংখাৰ কৌন ্ একজন প্ৰকিষ্ঠ চিন भिशाकित्वक , इस मा ८४भग প्रतिकान , खन गर्भ । किया अमामन् करेंद्र करवान करितार्विक क्रिका रेकिकनामि १४०७ कविटल कार नायकात स्थानीत क्या हिमागरिक वह बान १ मा। तन्त्रं शहम ७७३ किए। ताजैव अग्रनीनाह्य কটিক যে ক[†]ান অনিক ে 'ক একানে নিৰান্ত্ৰীক্ষাপাস_ক कर्ष का अस्मन नाष्ट्र, के अ विभिन्न विवेश ने क्या महे योग्न अभिक काम स्मरित कोतर्ल अधिवाद स्त्रीन भावनाञ्चः, रुहे एक एकर । ेश्वर निमित्तुः सञ्चर्या अर्था ३ केक्ट्रीए । सांचे इक्ट ता न्द्र (इर्थ व में है अर्थ है हाश इंडरन मुख्या हम् ।श्राप्त स अक भार वे दोनिकार के लो कहा रथाला काक्ष्मिक न गर्ने क्रिके विभागारतत श्रीक स्थानिकार । यह गतिका**ड** राजु भारतम कंक्किक लाएत मित्रिकां तुरेक नेश्रू करन

माक आवः व "咖啡村中间。 **电影发展 压** मानाह दर्श अल्झ उ (कहे द्वारान क्षा गर्नाध केक्स्रा (भक्के माद्रव भवीत्रशक व वाकि : धुवात्य (अ) ध्यांस, बाहा तह भिभएडे वाङ्गाकारम ·新·罗尔利! 9第2 एक एक सक वर्ते हा इस्ते

TANK PARTY OF THE CORPORATION AS THE क्षेत्रकारिक किया के अपन क कार्य कि मुख्य करियाम व ारो निका मुख्या क्षा विशेष र त्राप्तिकार कर्णिय वारायक करेर तर है अहम दूषि कि अ। य अपनित्र । कारचार केरल हेरेन चित्र में में प्रत्य मान करने करिने करें मारि । केंगा । नार्य करहे इसे क रले कुछ्याय । कुईवार रेक्सम निर्देश मध्या १ १६को ५ १८ चे क्रिट्स जीमनश्रक्त विभिन्न कुर १५ एम शहित्समू हिन्दितीह-के करेला, मकाल (रेडिया, कर्ज १ विश्व व राजरद किन्नु किक्टीं ज्यान सिर्दे क्या र करा हेश्यमान । क्यारी ्रेग्रान केरिक मा अभि क्लिक नव नाका मुद्द मान किलाय क्षेत्र अवद्भाव कर्मा विस्तान क्षाकि वाहे अवद्भाव वाहा सिख्य क्षान विसन् विश्विष्ठ अविक क्षित्रकृष्टिभाग्य नकाल १८४० हिं जिस्से कहि है अस्ति सान्त्रा भागी हा है। संस्थी रणेंहे शक्त ने हैंसा कि कहा हुने नहिं कि है राज ्राम (प्रि. तस सामिति। जनम् अनुसारि आदः अंखने वर्षे क्रांत है। ते क्रिक्रिया के निर्देश